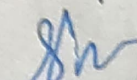


1915/22  
पत्रावली मूल वाही के साथ कार्यालय से तलब  
होकर भेजा हुई। प्रार्थी के आदेशानुसार पर हस्ताक्षर  
कराये गये। बाद वाही नोटप्रेस में शरिफ किया  
जा चुका है। प्रथम पत्र 22 आर. टी. स्कूल  
सारहीन होने के कारण, प्रार्थना पत्र का भव  
कोई औचित्य नहीं रह जाता है।

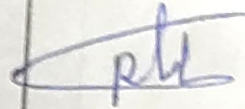
अतः प्रार्थना पत्र शरिफ किया जाता है।  
पत्रावली फौसल शुभारं होकर, नम्बर से कम  
होकर, बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो।

  
सहायक कलक्टर  
अलवर



NOT  
PRESS

9/1



21/11/15

1915/15

1915/15

सहायक कलक्टर  
अलवर